

3) 03/23


पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप।

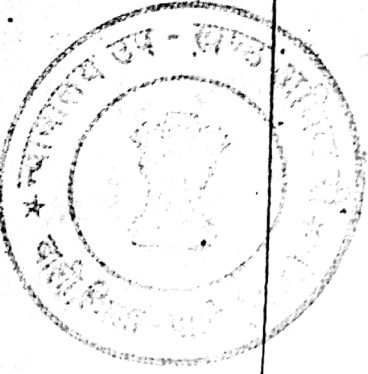
पत्रावली व उपलब्ध रिकॉर्ड के अध्ययन व वकुलाय की ब्दस पर मनन के पश्चात दस्तगत प्रकरण में ज्ञात है कि वादीगण द्वारा पुराने कब्जे कर्षण के आधार पर ग्राम दमकली पटवार दल्का काब्राली में स्थित भूमि खसरा नं. 245 रकबा 1.00 हेक्टर किस्म गैर मुम्किन मगरी की, वीषण खैयरी के साथ प्रतिवादी के विरुद्ध सार्वकालिक निषिद्धान्त की डिक्ली जारी किये जाने की दलील दी गई है। इस संबंध में वादग्रस्त भूमि पर 20 वर्ष के कब्जा के साक्ष्य के तौर पर संवत् 2063, 2064, 2065, 2067, 2068, 2069, 2071, 2072, के वर्षों के धारा 91 भू-रजस्व अधिनियम 1956 के नोटिसेज की प्रतियां तथा राजकीय सिवायचक्र भूमि पर बतौर अतिक्रमी वादीगण का कब्जा होने के संबंध में विधिमान्य अधिकृत दस्तखत खसरा परिवर्तन शील संवत् 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068 के वर्षों की प्रतियां पेश की गई। तथा इन प्रस्तुत अभिलेखीय साक्ष्यों को गवाह PW-1 के द्वारा स्वीकृति दी गई। प्रतिवादी पेशीकार सस्कार द्वारा भूमि राजकीय सिवायचक्र होने तथा वादीगण बतौर अतिक्रमी ही कुछ वर्षों में वादग्रस्त भूमि पर कब्जा कर रहे हैं। ये वादीगण का वाद खारिज किये जाने की दलील दी गई। इस प्रकार दस्तगत प्रकरण में यह ज्ञात है कि वादग्रस्त भूमि पर 6-7 वर्ष ही कब्जा कर रहा है। इससे अधिक वर्षों पर वादीगण का कब्जा कर्षण साबित नहीं है। इसके साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रतिकूल कब्जे के आधार पर सौदेदारी अधिकार दिये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। जिससे भी वादीगण राजकीय सिवायचक्र भूमि की प्रतिकूल कब्जे के आधार पर सौदेदारी वीषण पाने के अधिकारी नहीं रहते हैं। लिहाजा वादीगण द्वारा ग्राम दमकली में स्थित भूमि खसरा नं. 245 रकबा 1.00 हेक्टर के संबंध में प्रस्तुत वाद वाबत वीषण सौदेदारी व सार्वकालिक निषिद्धान्त U/s 88, 188 RTA 1955

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनाशयल जज

आरिज किया जाता है। इसी कदर डिग्री फर्चा जारी हो  
पत्रावली फैसल शुमार टैकर नम्बर से कम है।

  
उपखण्ड अधिकारी  
बाली, जिला-पाली (राज.)



डिगरी बमुकदमें इब्तादाई  
(ओ. 21 रूल 6, 7 जाब्ता दीवानी)

अदालत सहायक कलक्टर एवं पदेन उपखण्ड अधिकारी, बाली जिला पाली (राजस्थान)  
इजलास सुश्री धायगुडे स्नेहल नाना आई.ए.एस.

वादी :-

चुना, हरा, पेमा, चतरा पुत्रगण बाबुजी  
जातिगण गरासिया निवासीगण दानवरली तहसील बाली जिला पाली (राजस्थान)  
बनाम

प्रतिवादी :-

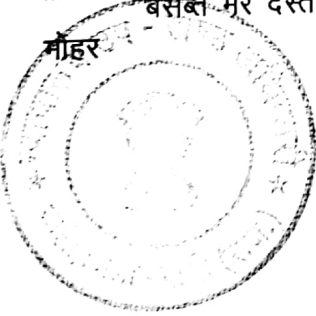
राजस्थान सरकार जरिये (भूमिधारी)  
तहसीलदार बाली

राजस्व वाद प्रकरण संख्या : 41/2019 Gcms No. 2019/00256  
वाद अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रुबरु हमारे समक्ष व हाजरी वकील वादी व वकील प्रतिवादी मिनजानिब प्रतिवादी पेश होकर हुक्म दिया जाता है व डिगरी दी जाती है कि :-

पत्रावली व उपलब्ध रेकॉर्ड के अध्ययन व वकूलाय की बहस पर मनन के पश्चात् हस्तगत प्रकरण में यह स्वीकार्य तथ्य हैं कि वादी द्वारा जिस भूमि ग्राम दानवरली के खसरा नंबर 245 रकबा 1.00 हैक्टर भूमि का खातेदार घोषित किये जाने की मांग की जा रही है, वह भूमि राजकीय सिवायचक है। वादी ने वर्णित भूमि की खातेदारी 6-7 वर्ष के प्रतिकूल कब्जे के आधार पर चाही है, जो प्रतिकूल कब्जा वादी का बेरोक-टोक साबित नहीं है, इसके साथ ही माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार प्रतिकूल कब्जे के आधार पर अतिक्रमियों को खातेदारी देने से प्रतिबंधित किया है। लिहाजा वादी द्वारा ग्राम दानवरली के खसरा नंबर 245 रकबा 1.00 हैक्टर की खातेदारी घोषणा व सार्वकालिक निषेधाज्ञा बाबत प्रस्तुत वाद अंतर्गत धारा 88,188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 खारिज किया जाता है। इसी कदर डिग्री पर्चा मूर्तिब हो।

बसब मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 31-03-23 को जारी किया गया।



( सुश्री धायगुडे स्नेहल नाना )  
उपखण्ड अधिकारी  
आई.ए.एस.  
अदालत सहायक कलक्टर एवं  
उपखण्ड अधिकारी, बाली